22 June 2025_Copy of Layout 1 6/22/2025 1:38 PM Page 1

दैनिक

नज़रिया खबर

भारत सरकार के डीएवीपी व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त

RNI:UTTHIN/2008/25052

वर्ष:17 | अंक: 353 | देहरादून, रविवार 22 जून, 2025 | पृष्ठ:08 | मूल्य:1/रु. प्रति

पेज-06

न्यूज डायरी

तीन दिवसीय उत्तराखण्ड प्रवास पूर्ण होने के उपरान्त राष्ट्रपति दिल्ली लौटी

देहरादून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का तीन दिवसीय उत्तराखण्ड प्रवास पूर्ण होने के उपरान्त नई दिल्ली लौटते समय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर उन्हें विदाई दी। इस दौरान कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, रेखा आर्या, सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह आदि भी मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड के सात जनपदों में हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी जारी

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम का मिजाज तल्ख है। बीते कई दिनों से प्रदेश में रुक–रुक कर बारिश हो रही है। जिससे लोगों को एक ओर उमस भरी गर्मी से निजात मिली है, दूसरी ओर बारिश ने लोगों की परेशानियां भी बढ़ा दी हैं। बारिश से कई संपर्क मार्ग मलबा और पत्थर गिरने से बाधित हो रहे हैं। जिससे लोगों को परेशानियों से दो चार होना पड़ रहा है। वहीं मौसम विभाग ने आज फिर बारिश को संभावना जताई है और येलो अलर्ट जारी किया है। देहरादून मौसम विभाग के मुताबिक उत्तराखंड के देहरादून, टिहरी, बागेश्वर, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, नैनीताल और चंपावत जिले के अनेक स्थानों में व शेष जनिदों के कुछ स्थानों में गरज–चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। राज्य के टिहरी व देहरादून जनपदों में कहीं–कहीं भारी वर्षा होनेकी संभावना है। राज्य के सभी जनपदों में कहीं–कहीं गरज और चमक के तेज बारिश हो सकती है। जबकि तेज झोंकेदार हवाएं 40–50 किमी प्रति घंटा चलने की संभावना है। जिसके लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देहरादून में किया 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का शुभारंभ

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देहरादून में 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का शुभारंभ करते हुए योग को भारत की चेतना और विरासत का केंद्र कहा तथा इसे भारत की सॉफ्ट पावर का भी सशक्त उदाहरण बताया। महामहिम राष्ट्रपति ने कहा कि योग एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से, एक समुदाय को दूसरे समुदाय से तथा एक देश को दूसरे देश से जोड़ने का काम करता है। दुनिया भर के लोग इससे लाभान्वित हो रहे हैं।

देहरादून में योगाभ्यास करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

उन्होंने बताया कि जब व्यक्ति स्वस्थ रहता है; तो परिवार स्वस्थ रहता है। और जब परिवार स्वस्थ रहता है; तो देश स्वस्थ रहता है। उन्होंने सभी को योग को जीवन जीने का माध्यम बनाने की प्रेरणा दी तथा सभी संस्थाओं से अपील की कि योग को जन सुलभ बनाया जाए। राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (से. नि.) ने 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए योग के महत्व पर प्रकाश डाला। राज्यपाल ने कहा कि योग भारत की प्राचीनतम सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा का हिस्सा है जिसने संपूर्ण विश्व को जोड़ने का कार्य किया है। प्रसन्नता की बात है कि आज यह दिवस न केवल भारत के लिए अपितु संपूर्ण विश्व के लिए स्वास्थ्य, शांति और समरसता का प्रतीक बन चुका है।

राज्यपाल ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने की प्रक्रिया है। यह आत्मानुशासन, संयम, और मानसिक शांति का मार्ग है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज योग एक वैश्विक अभियान बन चुका है, और यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि दुनिया भारत की इस विरासत को स्वीकार करके और अपनाकर लाभान्वित हो रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम "एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग।"

शेष खबर पेज आठ पर देखे

डा. रमेश पोखरियाल निशंक ने की द्रोपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट

देहरादून। राष्ट्रपति निकेतन, देहरादून में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से डा. रमेश पोखरियाल निशंक ने शिष्टाचार भेंट की। यह एक प्रकार का एक आत्मीय और ऐतिहासिक अवसर रहा, जिसमें संवाद ने दर्शन का रूप ले लिया।

इस अवसर पर डा. निशंक का राष्ट्रपति से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के विविध पक्षों, उनके उत्तराखंड प्रवास, वैदिक परंपरा की समकालीन प्रासंगिकता, विश्वशांति, भारतीय ज्ञान परंपरा और वर्तमान वैश्विक संदर्भ में भारत की भूमिका जैसे गूढ़ और दूरदृष्टिपूर्ण विषयों पर भी सारगर्भित चर्चा हुई। राष्ट्रपति का चिंतन न केवल विद्वतापूर्ण था, बल्कि उसमें भारतीय आत्मा की गूंज स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही थी। उनकी विनम्रता, सहजता और राष्ट्र के प्रति समर्पित दृष्टिकोण अत्यंत प्रेरणादायक है।

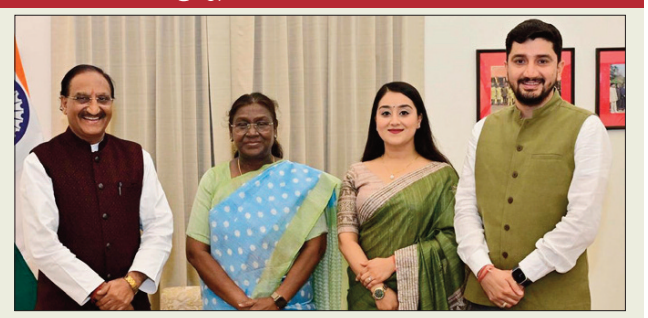

भराडीसैंण में मुख्यमंत्री, 8 देशों के राजदूतों और आमजन ने किया योगाभ्यास

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर, उत्तराखंड के भराडीसैंण स्थित विधानसभा परिसर एक अनूठे और भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम का साक्षी बना।

इस वर्ष की थीम ष्एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगष पर आधारित इस आयोजन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी 8 देशों के राजदूतों और बड़ी संख्या में आमजनमानस सहित एक हजार से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम को अत्यंत व्यापक और भव्य रूप से मनाया गया। यह आयोजन दर्शाता है कि योग की

शक्ति और चमत्कार को अब केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया ने मान्यता दी है। इस विशेष अवसर पर, योग प्रशिक्षकों ने सभी उपस्थितजनों को विभिन्न योगासनों, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया, जिससे सभी ने योग के गहरे लाभों का अनुभव किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उपस्थितजनों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि योग भारत की अत्यंत प्राचीन और अमूल्य विरासत है, जिसने पीढ़ी दर पीढ़ी मानव मात्र को स्वस्थ और संतुलित जीवन का मार्ग दिखाया है।

मुख्यमंत्री ने योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास से न केवल शरीर मजबूत और निरोगी बनता है, बल्कि मन शांत होता है और आत्मा भी निर्मल होती है। इस बात पर विशेष जोर दिया कि योग को केवल कुछ शारीरिक आसनों तक सीमित न समझा जाए, बल्कि इसे अपनी सोच, व्यवहार और जीवनशैली का एक अभिन्न अंग बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि निरोगी शरीर और एक संतुलित, आनंदमय जीवन के लिए योग वास्तव में प्रकृति और हमारी संस्कृति द्वारा दिया गया एक अमिट उपहार है। भराडीसैंण में आयोजित यह भव्य कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की वैश्विक भावना के अनुरूप था, जिसमें विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों और स्थानीय जनता ने मिलकर योग के माध्यम से स्वास्थ्य, शांति और वैश्विक सौहार्द का संदेश दिया।

22 June 2025_Copy of Layout 1 6/22/2025 1:38 PM Page 2

संपादकीय

ईरान को मिला यमन का साथ!

यमन के मिलिशिया समूह हूती विद्रोहियों ने एक बयान जारी कर धमकी दी है कि अगर अमेरिका ईरान–इजराइल संघर्ष में शामिल होता है तो मध्य पूर्व में अमेरिकी जहाजों पर हमला किया जाएगा। हौथी विद्रोहियों के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याहा सारी ने शनिवार को कहा कि ईरान के खिलाफ इजरायली दुश्मन के समर्थन में कोई भी अमेरिकी हमला और आक्रमण, जिसका उद्देश्य इजरायली दुश्मन को पूरे क्षेत्र पर नियंत्रण करने में सक्षम बनाना है – इस पर चुप नहीं रहा जा सकता। अगर इजरायली दुश्मन के साथ मिलकर ईरान पर हमले और आक्रमण में अमेरिकी शामिल होता है, तो यमन की सशस्त्र सेना लाल सागर में उसके जहाजों और युद्धपोतों को निशाना बनाएगी। सशस्त्र बल क्षेत्र में सभी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं, जिसमें हमारे देश के खिलाफ शत्रुतापूर्ण गतिविधियाँ भी शामिल हैं, और ईश्वर की मदद से, हमारे प्यारे देश और उसके गौरवशाली लोगों की रक्षा के लिए आवश्यक वैध उपाय करेंगे। यह कथन तब फिर से सामने आया है जब अमेरिका इजरायल–ईरान संघर्ष में शामिल हो गया है। राष्ट्र के नाम एक संक्षिप्त संबोधन में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि अमेरिकी बमवर्षकों ने ईरान की तीन प्रमुख परमाणु सुविधाओं को ष्पूरी तरह से नष्टष्कर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान ष्शांति बनानेष्के लिए सहमत नहीं होता है तो अतिरिक्त लक्ष्यों पर हमला किया जाएगा। हमलों में शायद ही कभी इस्तेमाल किए जाने वाले बी–2 स्टील्थ बॉम्बर शामिल थे, जो अमेरिका की परमाणु निरोध रणनीति का एक अत्यधिक गोपनीय और महत्वपूर्ण तत्व है। अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के मकसद से इजराइल की ओर से शुरू किए गए हमलों में शामिल होते हुए रविवार तड़केतीन ईरानी परमाणु केंद्रों पर हमले किए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमलों की जानकारी देते हुए कहा कि ईरान के परमाणु केंद्र ''पूरी तरह से नष्ट कर दिए गए हैं''। साथ ही उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अगर उसने जवाबी कार्रवाई की तो उसके खिलाफ और अधिक हमले किए जा सकते हैं। हमले के बाद क्षति का कोई स्वतंत्र आकलन नहीं किया गया है।

प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। राज्य के 12 जनपदों (जनपद हरिद्वार को छोड़कर) में त्रिस्तरीय पंचायतों के सामान्य निर्वाचन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने बताया है कि राज्य में त्रिस्तरीय पंचायतों के सामान्य निर्वाचन दो चक्रों में संपन्न कराए जायेंगे।

नामांकन की पक्रिया 25 जून 2025 से प्रारंभ होगी और पहले चक्र में आगामी 10 जुलाई 2025 तथा दूसरे चक्र में 15 जुलाई 2025 को मतदान की प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। मतगणना 19 जुलाई 2025 को होगी। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों के निर्वाचन को देखते हुए राज्य में नगरीय क्षेत्रों एवं जनपद हरिद्वार को छोड़कर आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है। राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने शनिवार को राज्य निर्वाचन आयोग के सभाकक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में राज्य के 12 जनपदों (जनपद हरिद्वार को छोड़कर) में त्रिस्तरीय पंचायतों के सामान्य निर्वाचन को लेकर तय कार्यक्रम एवं आयोग की तैयारियों की जानकारी दी। इस मौके पर आयोग के सचिव राहुल कुमार गोयल और संयुक्त सचिव कमलेश मेहता भी उपस्थित रहे।

पंचायत चुनाव की जानकारी देते राज्य निर्वाचन आयुक्त।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि पंचायत चुनावों के लिए आयोग के द्वारा शनिवार को जारी अधिसूचना के क्रम में संबंधित जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) अपने जिले की ग्राम पंचायतों के सदस्यों, ग्राम पंचायतों के प्रधानों, क्षेत्र पंचायतों के सदस्यों तथा जिला पंचायत के सदस्यों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों का पदों व आरक्षण सहित पूर्ण विवरण देते हुए सोमवार 23 जून 2025 को अधिसूचना जारी करेंगे। आयोग द्वारा दो चक्रों में निर्वाचन संपन्न कराने हेतु निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी चक्रों के लिए नामांकन दिनांक 25 जून 2025 से 28 जून 2025 तक पूर्वाह्न 8.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे होंगे। नामांकन पत्रों की जांच की प्रक्रिया 29 जून 2025 से 01 जुलाई 2025 तक पूर्वाह्न 8.00 बजे से कार्य समाप्ति तक संपन्न कराई जाएगी। नाम वापसी की तिथि 2 जुलाई 2025 पूर्वाह्न 8.00 बजे से अपराह्न 3.00 बजे तक निर्धारित है।

प्रथम चक्र के लिए निर्वाचन प्रतीक चिन्हों का आवंटन 03 जुलाई 2025 को और द्वितीय चक्र के लिए निर्वाचन प्रतीक चिन्हों का आवंटन 08 जुलाई 2025 पूर्वाह्न 8.00 बजे से किया जाएगा।

योग प्राचीन भारत की देन, आधुनिक विश्व की ज़रूरत आत्मा और शरीर का महासंगम

11वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 - एक धरती एक स्वास्थ्य ,योग से विश्व कल्याण, विश्व शांति और स्वास्थ्य की ओर कदम

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर सर्वविदित है कि भारत आदि अनादि काल से ही योग का गढ़ रहा है,करीब 5000 वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा से निकली योग की विद्या आज वर्ल्ड वाइस मूवमेंट का हिस्सा बन गई है।आधुनिक दुनियाँ में पूरा विश्व अब योग की अहमियत समझ चुका है व इसका सटीक असर भी दिखाई दे रहा है।

इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम ष्एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगष्है। 2025 एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि यह इस वैश्विक उत्सव की 11वीं वर्षगांठहै।इसके अलवा इस वर्ष के उत्सव में 10 हस्ताक्षर कार्यक्रम शामिल हैं, जिनमें प्रमुख कार्यक्रम, श्योग संगमश शामिल है, जो पूरे भारत में 1,00,000 स्थानों पर सामूहिक योग प्रदर्शन प्रदर्शित करता है।अन्य नौ कार्यक्रम हैं योग बंधन, योग पार्क, योग समावेश, योग प्रभाव, योग कनेक्ट, हरित योग, योग अनप्लग्ड, योग महाकुंभ और समयोग। आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 21 जून 2025 को राष्ट्रीय कार्यक्रम आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित होगा,जहां पीएम 5 लाख से अधिक प्रतिभागियों के साथ कॉमन योग प्रोटोकॉल(सीवाईपी) सत्र का नेतृत्व करेंगे। इसके साथ ही, देश भर में एक लाख से अधिक स्थानों पर श्योग संगमश सत्र आयोजित किए जाएंगे, जो इसे इतिहास में सबसे बड़े समन्वित योग प्रदर्शनों में से एक बनाएगा।उन्होंने "योगआंध्र" अभियान – जो राज्य भर में 10 लाख नियमित योग अभ्यासियों का समुदाय तैयार करने की एक महत्वाकांक्षी पहल है।चूँकि एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग सर्वे संतु निरामया यानें सभी रोग मुक्त हों तथा 11वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 को ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियां जोरों पर है, विशाखापट्टनम में 5 लाख प्रतिभागियों के साथ पीएम बड़ा कॉमन योग प्रोटोकॉल का नेतृत्व करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस न केवल भारतीय संस्कृति की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता को स्वास्थ्य, शांति और सामंजस्य की दिशा में एक वैश्विक संदेश भी देता है। योग, जो शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करता है,आजआधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न तनाव, रोग और मानसिक असंतुलन का प्राकृतिक समाधान बन चुका है।योग केवल व्यक्तिगत साधना नहीं, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य और सौहार्द की दिशा में एक समवेत प्रयास है। विश्व के कोने–कोने में करोड़ों लोग योग को अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं, जिससे यह दिवस एक वैश्विक जनांदोलन का स्वरूप ग्रहण कर चुका है। इस अवसर पर भारत समेत दुनिया भर में लाखों स्थानों पर सामूहिक योग अभ्यास, कार्यशालाएं औरजनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जो योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने हेतु प्रेरित कर रहे हैं। योग दिवस की यह प्रस्तावना हमें आत्म–निरीक्षण, सामूहिक एकता और समग्र स्वास्थ्य की दिशा में बढ़ने का आह्वान करती है।चूँकि योग प्राचीन भारत की देन आधुनिक विश्व की जरूरत, आत्मा और शरीर का महासंगम है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,11वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025, एक धरती एक स्वास्थ्य,योग से विश्व कल्याण विश्व शांति और स्वास्थ्य की ओर कदम है, जो रेखांकित करने वाली बात है। यह न केवल आपके शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है बल्कि आपके मानसिक स्वास्थ्य को भी बढ़ावा देता है। योग के अभ्यास का सम्मान करने और दुनिया भर में इसके लाभों को बढ़ावा देने के लिए हर साल 21 जून को विश्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाता है। काम, तनाव, और व्यस्त दिनचर्या के कारण शरीर और दिमाग दोनों थक जाते हैं, ऐसे में हमें अपनी सेहत का ख्याल रखना बेहद जरूरी हो जाता है, योग इसी जरूरत को पूरा करने वाला एक प्राकृतिक और आसान तरीका है।

साथियों बात अगर हम 100 दिनों से चल रही योग श्रृंखला की करें तो, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 में 100 दिनों तक चलने वाले दस सिग्नेचर इवेंट यानी प्रमुख कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिन्हें समाज के विभिन्न वर्गों के साथ तालमेल बिठाने और योग को जीवन के समग्र तरीके के रूप में बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। – समावेशिता के लिए योग समावेश से लेकर अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी के लिए योग बंधन तक – ये कार्यक्रम योग को मैट(चटाई) से लेकर आम जनता तक ले जाने के सरकार के रणनीतिक विजन को दर्शाते हैं। दिल्ली, भुवनेश्वर, नासिक और पुदुचेरी में क्रमशः100 दिवसीय, 75 दिवसीय, 50 दिवसीय और 25 दिवसीय आयोजनों की श्रृंखला के प्रति जनता की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया ने मुख्य कार्यक्रम की ओर अग्रसर होने में अहम योगदान दिया है।योग केवल आसन करने और सांस लेने का अभ्यास भर नहीं है – यह जीवन जीने का एक तरीका है, मीडिया के सहयोग से लक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 को एक ऐसा ऐतिहासिक आयोजन बनाना है, जो लाखों लोगों को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित करे और एक स्वस्थ, खुशहाल और अधिक सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण में सहायता करे।

साथियों बात अगर हम योग दिवस 21 जून के इतिहास की करें तो, पहली बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया। पहल पीएम ने की थी। 27 सितम्बर 2014 को उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक प्रस्ताव रखा था। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 11वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025– एक धरती एक स्वास्थ्य, योग से विश्व कल्याण विश्व शांति और स्वास्थ्य की ओर कदम योग प्राचीन भारत की देन, आधुनिक विश्व की जरूरत आत्मा और शरीर का महासंगम।अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025–वैश्विक एकता की ओर बढ़ता भारत का आध्यात्मिक उपहार–200 से अधिक देशों की अभूतपूर्व वैश्विक भागीदारी से होगा वैश्विक संगम।

लेखक – कर विशेषज्ञ स्तंभकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

22 June 2025_Copy of Layout 1 6/22/2025 1:38 PM Page 3

उत्तराखंड में लागू हुई देश की पहली योग पॉलिसी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उत्तराखंड सरकार ने राज्य में देश की पहली योग नीति को लागू कर दिया है। उत्तराखंड राज्य को देवभूमि के साथ योग और वैलनेस की वैश्विक राजधानी बनाए जाने को लेकर आयुष विभाग ने योग पॉलिसी तैयार की थी। इस पर 28 मई 2025 को हुई धामी मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी मिल गई थी।

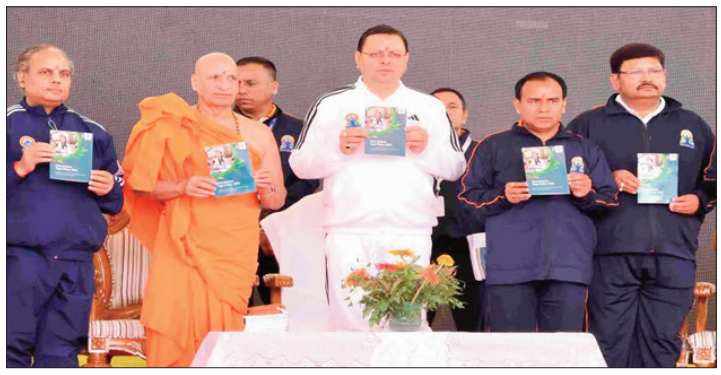

योग पॉलिसी जारी करते सीएम पुष्कर सिंह धामी।

इसके बाद अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेश की शीतकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देश की पहली योग पॉलिसी की अधिसूचना जारी कर दी। इस अधिसूचना के जारी होने के बाद उत्तराखंड राज्य में योग नीति लागू हो गई है। दरअसल उत्तराखंड में योग पॉलिसी लागू करने की कवायद साल 2023 से ही चल रही थी। राज्य में आयुष नीति लागू होने के बाद आयुष विभाग ने साल 2023 में ही योग पॉलिसी तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए थे। आयुष विभाग ने योग नीति का प्रारंभिक ड्राफ्ट तैयार कर शासन को प्रशिक्षण के लिए भी भेजा था। तब ड्राफ्ट में कुछ कमियां होने के चलते शासन से वापस भेजा गया था। इसके बाद आयुष विभाग ने शासन के दिशा निर्देशों के अनुसार देश की पहली योग नीति तैयार की। इस योग नीति को तैयार करने में आयुष विभाग ने आयुर्वेद विशेषज्ञों के साथ ही तमाम हितधारकों से भी सुझाव लिए। आयुष विभाग की ओर से करीब 2 साल में योग नीति तैयार की गई। मई 2025 में विधायी विभाग से मंजूरी मिलने के बाद 28 मई को इसे कैबिनेट के सामने रखा गया था, जिसे धामी मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी थी। इसके बाद आज 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर उत्तराखंड योग पॉलिसी 2025 को लागू कर दिया गया है।

उत्तराखंड योग नीति 2025 के तहत सरकार ने तमाम लक्ष्य भी तय किए हैं। इसके तहत साल 2030 तक उत्तराखंड में कम से कम पांच नए योग हब स्थापित करने का लक्ष्य है। जागेश्वर, मुक्तेश्वर, व्यास घाटी, टिहरी झील और कोलीढेक झील क्षेत्र में योग हब स्थापित होंगे। इसके साथ ही मार्च 2026 तक राज्य के सभी आयुष हेल्थ और वेलनेस सेंटर्स में योग सेवाएं उपलब्ध कराने का भी लक्ष्य तय है। राज्य सरकार का मानना है कि योग नीति लागू होने के बाद उत्तराखंड राज्य में 13,000 से अधिक रोजगार उपलब्ध होंगे। 2,500 योग शिक्षक योग सर्टिफिकेशन बोर्ड से प्रमाणित होंगे। 10,000 से अधिक योग अनुदेशकों को होमस्टे, होटल आदि में रोजगार मिलने की संभावना है। उत्तराखंड राज्य में आज 21 जून 2025 को योग नीति लागू होने के बाद अब योग नीति के संचालन, नियम बनाने एवं लागू करवाने, अनुदान देने और तमाम विभागीय गतिविधियों की निगरानी करने के लिए ष्योग निदेशालयष् बनाया जाएगा। योग नीति में तमाम महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। जिसके तहत, योग प्रशिक्षक केदो की स्थापना की जाएगी, योग प्रशिक्षित का रजिस्ट्रेशन और योग संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर को डेवलप किया जाएगा। यही नहीं, योग नीति के तहत योग को प्रोत्साहित करने के लिए तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

आचार संहिता से पूर्व आठ दरोगाओं के तबादले

देहरादून। आचार संहिता से पहले एसएसपी अजय सिंह ने आठ दरोगाओं के स्थानांतरण करते हुए कुंदन राम को प्रेमनगर थाना प्रभारी बनाया। शनिवार को यहां पुलिस मुख्यालय उत्तराखंड के आदेशानुसार जनपद में उपनिरीक्षकों से निरीक्षक स्तर पर पदोन्नत हुए निरीक्षकों के स्थानांतरण अन्यत्र जनपदों में होने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा थानों में नियुक्त उक्त पदोन्नत निरीक्षकों को संबंधित थानो से हटाते हुए आचार संहिता से पूर्व जनहित/रिक्तियों के सापेक्ष निम्न उप निरीक्षकों के स्थानान्तरण उनके नाम के सम्मुख अंकित स्थानों पर किये गये। जिसमें उपनिरीक्षक संदीप कुमार, थानाध्यक्ष क्लेमेंटाउन से एसओजी शाखा, उपनिरीक्षक मोहन सिंह, थानाध्यक्ष प्रेमनगर से थानाध्यक्ष क्लेमेंटाउन, उपनिरीक्षक गिरीश नेगी, पुलिस कार्यालय/कैम्प कार्यालय से थानाध्यक्ष रायपुर, उपनिरीक्षक विनोद राणा, एसओजी शाखा देहरादून से वरिष्ठ उपनिरीक्षक डोईवाल के पद पर तैनात किया गया है। सभी को तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार सम्भालने के आदेश दिये।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी के विकास के लिए जारी किये 43.86 लाख

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। सरकार में कैबिनेट मंत्री और मसूरी से विधायक गणेश जोशी में मसूरी विधान सभा के अन्तर्गत विकास कार्यों की घोषणा के क्रम में विधायक निधि से चार महत्वपूर्ण विकास कार्यो की वित्तीय स्वीकृति जारी की है।

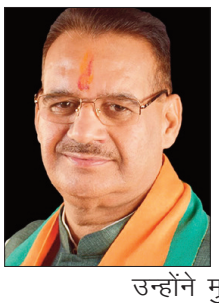

जिसमें अमर शहीद कैप्टन प्रतीक आचार्य राजकीय इन्टर कॉलेज, डोभालवाला, देहरादून में बॉस्केटबॉल कार्ट, बॉस्केटबॉल पोल एवं विद्यालय में पुस्तकालय की स्थापना के लिए रुपये 15.67 लाख, मसूरी में अलगाड़ यमुना घाटी विकास मंच निर्माण के लिए रुपये 10 लाख, मसूरी विधानसभा के अन्तर्गत एनआरएलएम एसएचजी के लिए वे–साईट ऐमिनिटी के अन्तर्गत वर्कशेड का निर्माण के लिए 15 लाख और राजकीय इन्टर कॉलेज, किशनपुर में ध्वनि प्रणाली एवं तत्सम्बन्धी कार्यों की स्थापना के लिए रुपये 03.19 लाख की स्वीकृति प्रदान की है। इस बाबत उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किये हैं। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता पर रहा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में सामुदायिक भवनों का निर्माण, आंगनवाड़ी में छात्र–छात्राओं के लिए सामान सहित मूलभूत एवं अवस्थापना सुविधाओं का विकास लगातार जारी है।

योग हमारी प्राचीन विरासत का बहुमूल्य उपहार: मुख्यमंत्री धामी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग हमारी प्राचीन विरासत का बहुमूल्य उपहार है जो मनुष्य की मानसिक व शारीरिक शक्ति में वृद्धि और आध्यात्मिक ऊर्जा बढ़ाने में सहायता करता है।

नियमित योग अभ्यास तनाव कम करने, जीवन को संतुलित बनाए रखने तथा असंभव लक्ष्य को पाने में विशेष भूमिका निभाता है। योग भारत की प्राचीनतम और समृद्ध परम्परा की एक पहचान है। पूरी मनुष्यता को हमारे ऋषि–मुनियों की यह महत्वपूर्ण देन है। योग साधना के द्वारा हम शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि योग के द्वारा आज दुनिया में हमारी विशिष्ट पहचान बनी है। योग के लिये दुनिया भारत की ओर देख रही है। योग ने देश व दुनिया को स्वस्थता का भी संदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग ने मनुष्य की सुख शान्ति की राह प्रशस्त की है। महान ऋषि पतंजलि ने योग के माध्यम से लोगों को जीने की राह दिखाई है। योग से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं। योग का अभ्यास शरीर, श्वास और मन को जोड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और आत्मबोध की एक प्रक्रिया है। यह हमारे मन को स्थिर कर चेतना की गहराइयों तक पहुँचाने का माध्यम है। हमारी सनातन संस्कृति का मूल स्तंभ योग है। यही कारण है कि आज योग दुनिया के करोड़ों लोगों की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गया है जो भारतीय जीवन शैली को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग को अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मान्यता देने के लिए प्रस्ताव रखा था, जिसे 177 देशों ने समर्थन दिया और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड योग और आयुष की भूमि है। उत्तराखंड को योग और वेलनेस की वैश्विक राजधानी बनाने के लिए नई योग नीति लाई गई है।

उत्तराखण्ड में 2 चरणों में पूरे होंगे पंचायत चुनाव, 20 जुलाई तक चुनाव संपन्न होने की संभावना

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड में हरिद्वार जिला छोड़ प्रदेश के बाकी 12 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराए जाने की प्रक्रिया तेज हो गई है।

आज पंचायतों का आरक्षण प्रस्ताव तैयार होने के बाद पंचायती राज निदेशालय ने उत्तराखंड शासन और राज्य निर्वाचन आयोग को आरक्षण प्रस्ताव सौंप दिया है। आरक्षण प्रस्ताव मिलने के बाद उत्तराखंड शासन, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संबंधित अधिसूचना तैयार करने की कवायद में जुट गया है। 21 जून को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संबंधित अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव दो चरणों में कराए जाएंगे। त्रिस्तरीय पंचायतचुनाव को लेकर उत्तराखंड सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई हैं। ऐसे में 21 जून को अधिसूचना जारी होने के बाद प्रदेश भर में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। त्रिस्तरीय चुनाव की प्रक्रिया में करीब 28 से 30 दिन का समय लगेगा। यानी 20 जुलाई तक त्रिस्तरीय पंचायतचुनाव संपन्न होने की संभावना है। फिलहाल शासन स्तर पर त्रिस्तरीय चुनाव के कार्यक्रमों की रूपरेखा पर मंथन शुरू हो गया है। संभावना जताई जा रही है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव दो चरणों में कराया जाएगा। पंचायती राज सचिव चंद्रेश यादव ने कहा त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के तहत उत्तराखंड के 12 जिलों में चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। ग्राम पंचायत प्रधान के 7817 पदों में से एसटी के लिए 226 पद, एससी के 1467 पद, ओबीसी के लिए 1250 पद आरक्षित किए गए हैं, बाकी बचे हुए पदों को अनारक्षित किया गया है। ग्राम पंचायत प्रधान के कुल 7817 पदों में से 50 फीसदी से अधिक पद रिजर्व किए गए हैं। चंद्रेश यादव ने कहा प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों की ओर से आरक्षण प्रस्ताव का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। ऐसे में आरक्षण प्रस्ताव पंचायती राज निदेशालय में एकत्र की जा रही है।

राज्य निर्वाचन कार्यालय।

22 June 2025_Copy of Layout 1 6/22/2025 1:38 PM Page 4

टीएचडीसी इंडिया में उत्साह और जोश के साथ मनाया गया 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

ऋषिकेश (नजरिया खबर ब्यूरो)। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, एक प्रमुख मिनी रत्न, विद्युत उत्पादक उपक्रम के कॉर्पोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में आज 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों और उनके परिवारों की सक्रिय भागीदारी रही, जो समग्र कल्याण और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए निगम की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

योगाभ्यास करते टीएचडीसी के अधिकारी।

इस अवसर पर, टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आर. के. विश्नोई ने वर्तमान समय में मनुष्य के व्यस्त जीवन शैली में योग की बढ़ती प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ष्योग हमारी प्राचीन भारतीय परंपरा का एक अमूल्य उपहार है, शारीरिक जीवन शक्ति और मानसिक स्वास्थ्य दोनों का विकास करने के लिए सबसे शक्तिशाली और विश्वसनीय साधनों में से एक के रूप में विकसित हुआ है। यह आधुनिक जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए आंतरिक शक्ति, अनुशासन और लचीलापन प्रदान करता है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन, कॉर्पोरेट कार्यालय, ऋषिकेश के सामुदायिक केंद्र में टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक), शैलेन्द्र सिंह, एवं निदेशक (तकनीकी), भूपेंद्र गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने संबोधन में श्री सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की, जिनके प्रयासों के कारण ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की घोषणा की गई और योग को अंतर्राष्ट्रीय महत्व प्राप्त हुआ। श्री सिंह ने कहा कि "आज, योग सीमाओं को पार कर गया है और एक सार्वभौमिक अभ्यास बन गया है, जिससे शरीर, मन और आत्मा में सामंजस्य लाने की क्षमता के लिए दुनिया भर में लाखों लोगों ने अपनाया है।" उन्होंने टीएचडीसीआईएल के कर्मचारियों और उनके परिवारों के उत्साही भागीदारी की सराहना की, साथ ही एक स्वस्थ जीवन शैली और सकारात्मक संगठनात्मक संस्कृति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। इस वर्ष का विषय ष्योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ जो कि भारत के समग्र कल्याण के कालातीत ज्ञान को दर्शाता है, जो व्यक्तिगत स्वास्थ्य और हमारे ग्रह के स्वास्थ्य के बीच गहन संबंध पर जोर देता है। इस महत्वपूर्ण अवसर का एक प्रमुख आकर्षण अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण था, जिसे सभी उपस्थित लोगों ने ध्यानपूर्वक सुना, जिससे उत्सव की भावना और गहरी हो गई। टीएचडीसीआईएल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन ने एक बार फिर कर्मचारी कल्याण, कार्य–जीवन संतुलन और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रचार–प्रसार पर संगठन के फोकस की पुष्टि की।

रविवार से बंद हो जाएंगी चारधाम हेली सेवाएं

देहरादून। मानसून सीजन को लेकर रविवार से चारधाम में हेलीकॉप्टर सेवा पूरी तरह से बंद हो जाएगी। इसके साथ ही सभी हेली कंपनियां वापस लौट रही हैं। अभी तक 6 दिनों में 5500 से अधिक टिकट रद्द हो चुके हैं। उत्तराखंड में केदारनाथ के गौरीकुंड में 15 जून को हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। जिसके बाद सरकार ने दो दिन तक हेलीकॉप्टर सेवा बंद रखी थी। जब सरकार के द्वारा हेलीकॉप्टर सेवाओं को खोला गया, तब से लेकर आज तक मौसम खराब होने की वजह से हेलीकॉप्टर नहीं उड़ पाए। इस दौरान जिन यात्रियों के टिकट बुक हो चुके थे, उन यात्रियों को भी निराशा हाथ लगी। चारधाम हेलीकॉप्टर सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि मौसम खराब होने की वजह से 6 दिन से कोई भी हेलीकॉप्टर उड़ नहीं पाया है। ऐसे में अब मानसून की दस्तक को देखते हुए 22 जून से हेलीकॉप्टर यहां से मूव कर जाएंगे और मानसून खत्म होने के बाद दोबारा से सभी कंपनियां वापस लौटेंगी।

झाड़ियों में मिले शव का खुलासा, पत्नी ने की थी प्रेमी संग मिलकर पति की हत्या, दोनों गिरफ्तार

कोटद्वार (नजरिया खबर ब्यूरो)। पांचवे मील के समीप झाड़ियों में शव मिलने का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। मृतक की दूसरी पत्नी ने संपत्ति के लिए अपने प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या की थी। दोनों आरोपियों को पुलिस ने उत्तरप्रदेश के नगीना से गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाल रमेश तनवार ने बताया कि गत पांच जून को दुगड्डा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में पांचवें मील के समीप एक शव मिला था। जिसकी शिनाख्त रविंद्र कुमार पुत्र स्व. रामस्वरूप निवासी रजोकरी, बसंत कुंज, साउथ नई दिल्ली के रूप में हुई।मृतक के भाई राजेश कुमार ने 17 जून को कोतवाली में एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें बताया था कि उसके भाई रविंद्र का पत्नी आशा से मनमुटाव चल रहा था। वर्ष 2007 में उसका भाई हरिद्वार आकर रहने लगा। यहां उसका संपर्क रीना सिंधू नाम की एक लड़की से हो गया। वर्ष 2010–11 में दोनों ने विवाह कर लिया। दोनों में मनमुटाव होने पर आशंका जताई कि रीना ने ही पति की हत्या की है।

पुलिस ने प्रार्थनापत्र व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर रीना सिंधू के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। कोतवाल ने बताया कि 31 मई को उसने फोन कर पति को परितोष के घर पर बुलाया और शराब पिलाई। पारितोष ने फावड़े से रविंद्र पर वार कर उसकी हत्या कर दी और शव दुगड्डा के पास सड़क से नीचे फेंककर भाग निकले।

वन अनुसंधान संस्थान ने किया हरित योग का आयोजन

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) द्वारा भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आई.सी.एफ.आर.ई), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आई.जी.एन.एफ.ए), केंद्रीय राज्य वन सेवा अकादमी(सी.ए.एस.एफ.ओ.एस) एवं वन शिक्षा निदेशालय(डी.एफ.ई) के सहयोग से हरित योग 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन एफ.आर.आई परिसर, देहरादून में किया गया। इस कार्यक्रम में 500 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू (मुख्य अतिथि), आई.सी.एफ.आर.ई के महानिदेशक, आई.जी.एन.एफ.ए के निदेशक, एफ.आर.आई के निदेशक, डी.एफ.ई के निदेशक, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक(ए.पी.सी.सी.एफ), क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून, सी.ए.एस.एफ.ओ.एस के प्राचार्य, वैज्ञानिकगण, अधिकारीगण, परिवीक्षाधीन अधिकारी, प्रशिक्षणार्थी, तथाकेवी–एफ.आर.आई देहरादून के छात्र–छात्राएं एवं शिक्षकगण शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ एफ.आर.आई की निदेशक ऋचा मिश्रा द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुआ। इसके पश्चात मुख्य अतिथि तोखन साहू ने प्रेरणादायक संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने दैनिक जीवन में योग को अपनाने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा, योग केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं है, यह जीवन जीने की एक शैली है जो हमारे शरीर, मन और आत्मा को पोषण देती है।

योग का अभ्यास करते हुए।

'जब तक मोरारी बापू धर्ममर्यादा में नहीं स्थित होते तब तक हम उनका चेहरा भी न देखेंगे'

श्रीकाशी। शिष्टों/धर्माचार्यों को स्मृतियों में शारीरिक दंड देने के अधिकार आचार काण्ड,प्रायश्चित्त कांड और व्यवहार कांड में दिये गये हैं जिन्हें वर्तमान भारत के संविधान में इन्हें दण्ड संहिता के अधीन कर दिया गया है।पर इसके अतिरिक्त जिन अन्य दण्डों के लिए राज सत्ता ने कोई दण्ड विधान नहीं बनाया है उन काण्डों से संबंधित मामलों में दंड देने का आचार्यों का आज भी अधिकार सुरक्षित है।

सबसे बड़ा दंड जो आचार्य देते रहे हैं वह है समाज से तब तक के लिए बहिष्कार जब तक कि संबंधित व्यक्ति

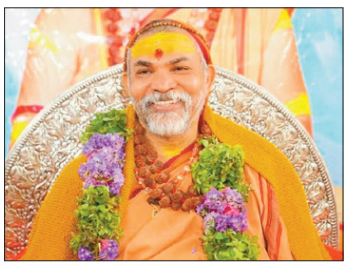

प्रायश्चित्त कर शुद्धि नहीं प्राप्त कर लेता है।ब्रह्मसूत्र के बहिरधिकरण अध्याय में मनुवचन का शारीरक भाष्य करते हुए स्वयं आदि शंकराचार्य ने बताया है कि बहिष्कृत करने का तात्पर्य यह है कि श्रेष्ठ पुरुष धर्मभ्रष्ट व्यक्ति के साथ पारिवारिक भोजन,अध्ययन अध्यापन और यज्ञ यागादि न करे।यही दंड पराशर माधवीय में भी जगद्गुरु शंकराचार्य विद्यारण्य जी ने स्मृति वचन उद्धृत करते हुए बताया है। प्रस्तुत संदर्भ के श्री मोरारी बापू समय समय पर अपने आचरणों और वक्तव्यों से अशास्त्रीय कार्यों को प्रोत्साहन देते हुए दिखाई दिए हैं ।

वर्तमान में स्वयं की पत्नी के दिवंगत होने पर उसके उत्तर कृत्यों को नकारना और यहाँ तक कि उसका मरणाशौच भी न मानते हुए काशी जैसी धर्मनगरी में आकर विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में जाकर पूजा अर्चना करना और आसन पर बैठकर राम कथा श्रवण कराने जैसा अशास्त्रीय कार्य इनके द्वारा किया जा रहा है।

काशी और देशभर के अनेक नागरिकों, विद्वानों, पंडितों और धर्माचार्यों द्वारा इनके इन अपकृत्यों के बारे में प्रश्न उठाने और विरत होने की प्रार्थना भी की गई।तब इन्होंने क्षमा याचना की शब्दावली तो कही पर मंदिर शुद्धिकरण के बारे में कुछ नहीं किया और कथा भी स्थगित नहीं की।बल्कि यह कहा कि मैं निम्बार्की हिंदू हूँ।मेरे पास भी शास्त्र हैं।

लेकिन एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जनता के समक्ष उन्होंने कोई शास्त्र वाक्य नहीं रखा जिसमें किसी गृहस्थ हिंदू धार्मिक के मरने पर उत्तर क्रिया और अशौच का निषेध किया गया हो। हम जनसामान्य को बताना चाहेंगे कि भजन करना,कथा सुनना धर्म हैय यह जिस शास्त्र ने बताया वही शास्त्र सूतक में इसे न करने को कहता है। तो शास्त्र की आधी बात मानना और आधी बात न मानना अनुचित है। यदि यह कहें कि भजन–पूजन से रोकने का मतलब पुण्य प्राप्त करने से रोकना है तो यह भी सही नहीं है। क्योंकि जब हम टैक्सी हायर करते हैं तो चलाएं या रोकें दोनों ही परिस्थितियों में पेमेण्ट तो होता ही है।

22 June 2025_Copy of Layout 1 6/22/2025 1:38 PM Page 5

किसानों को सहकारी समितियां के माध्यम से लाभ दिलाने के लिए नाबार्ड ने किया कार्यशाला का आयोजन

लालकुआं (नजरिया खबर ब्यूरो)। सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का सरकारी समितियां को लाभ देने के उद्देश्य से नाबार्ड द्वारा आयोजित कार्यशाला में किसानों से सहकारी समिति बनाकर लाभ लेने का आह्वान किया गया।

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड के तत्वाधान में सहकारी समितियां को बढ़ावा देने के लिए किसानों के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में घोषित किया गया है, इसी क्रम में नाबार्ड द्वारा प्रगतिशील संस्था के सहयोग से सहकारी समितियां को बढ़ावा देने के लिए घोड़ानाला बिंदुखत्ता में आयोजित कार्यशाला में नाबार्ड के जनपद नैनीताल के जिला विकास प्रबंधक मुकेश बेलवाल ने किसानों से कहा कि किसान सहकारी समिति बनाकर अपनी फसल का उचित मूल्य प्राप्त कर सकते हैं, और सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं, तथा किसान उत्पादक संगठन बनाकर अपने कृषि उत्पाद की प्रोसेसिंग कर अच्छा बाजार भाव कमा सकते हैं ।

किसानों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते प्रशिक्षक।

कार्यक्रम में नैनीताल डिस्टिक कोऑपरेटिव बैंक हल्दूचौड़ शाखा के प्रबंधक अशीष बिष्ट ने कहा सहकारी समितियों को बैंक उनके व्यवसाय को बढ़ाने के लिए ऋण देता है। नैनीताल डिस्टिक कोऑपरेटिव बैंक बिंदुखत्ता के शाखा प्रबंधक अश्वनी जोशी ने कहा सहकारी समितियां बैंकों की योजनाओं का लाभ लेकर अपना व्यवसाय बढ़ा सकते हैं । बहुउद्देशीय सहकारी समिति हल्दूचौड़ के चेतन बमेटा ने कहा कि किसानों के हित में हमारी समिति कार्य कर रही है, उनको अच्छी क्वालिटी का खाद बीज उपलब्ध कराती है ।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रगतिशील संस्था के शशि कुमार सिंह रावत के कहा सहकारी समिति बनाकर किसानों को लाभ पहुंचाया जा सकता है । यह एक ऐसी समिति है जिसमें किसान स्वयं ही निर्णय लेते हैं, तथा अपने लाभ की योजना स्वयं बनाते हैं, स्वयं ही उसका संचालन करते हैं।

कार्यक्रम में दुग्ध व कृषि उत्पादन संगठन लिमिटेड के अध्यक्ष जीत सिंह ठग्गुना ने किसान उत्पादक संगठन के लाभ के बारे में बताया और कहा कि इससे किसानों की आय बढ़ सकती है। कार्यक्रम में रेखा देवी, विमला रावत, जगदीश चंद, इंदर सिंह रावत, शंकर कुमार, किशन सिंह, संजय कुमार, दुर्गा सिंह ठगुन्ना, पूरन सिंह बोरा, जानकी रावत, हेमा बोरा, तुलसी अधिकारी, लीला रजवार, ममता लटवाल, लीला रौतेला, पार्वती बिष्ट, अनीता खाती, बबीता रजवार, कविता धामी, तन्नू परिहार, आशा देवी, जगदीश सिंह, रणजीत सिंह, प्रेम सिंह परिहार, जीवन सिंह दानू सहित 60 किसानों ने भाग लिया।

संत निरंकारी मिशन एवं आयुष योग और आयुर्वेद विभाग द्वारा संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय योग का आयोजन

हल्द्वानी। संत निरंकारी मिशन ब्रांच हल्द्वानी एवं आयुष योग और आयुर्वेद विभाग द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 21 जून 2025 दिन शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वसुदैव कुटुंबकम के सिद्धांत वन वर्ल्ड वन हेल्थ विषय अनुसार प्रातः 6रू30 से 8रू00 तक योग योगाचार्या पाला मेहता के निर्देशन में एक निजी वैकट हालजगदम्बानगर हल्द्वानी में आयोजित किया गया मुख्य अतिथि रेनू अधिकारी दर्जा राज्यमंत्री और विधायक बंशीधर भगत कालाढूंगी क्षेत्र ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की । कार्यक्रम में संत निरंकारी मिशन ब्रांच हल्द्वानी के सयोंजक आनंद सिंह नेगी ने बताया कि सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज का यही कहना है कि हम सभी में आध्यात्मिक जागृति तभी संभव है जब हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हो तभी हम सभी का संपूर्ण सर्वांगीण विकास हो सकता है।

लालकुआ में आज आयोजित वृहद स्वास्थ्य शिविर में होगी निशुल्क विभिन्न जांच

लालकुआं (नजरिया खबर ब्यूरो)। नगर के सुभाष नगर वार्ड नंबर 5 स्थित होली ट्रिनिटी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विशाल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आधा दर्जन से अधिक चिकित्सक विभिन्न रोगों की जांच कर उचित परामर्श देने के बाद दवा वितरण किया जाएगा।

उक्त जानकारी देते हुए नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) की लालकुआं ईकाई के अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि आज रविवार को लगने वाले स्वास्थ्य शिविर में हल्द्वानी के वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ अजय बजाज एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम स्वास्थ्य प्रशिक्षण करेंगी। इसके अलावा शिविर में निशुल्क दवाइयों के साथ ही शुगर, बीपी सहित अन्य जांच निशुल्क की जाएंगी। शिविर सुबह 10 से 2 बजे तक चलेगा। उन्होंने कहा कि शिविर में वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ अजय बजाज द्वारा सिर, रीढ़ एवं स्पाइन चोट का दर्द,सिर एवं माइग्रेन का दर्द, गर्दन, कमर का दर्द,डिस्क प्रोलैप्स एवं ब्रेन ट्यूमर,स्पाईन ट्यूमर सर्जरी तथा नसों का दर्द , झनझनाहट के साथ ही दौरे पड़ना, मिर्गी के दौरे पड़ना सहित लकवा पेरेलायसिस संबंधित समस्याओं की जांच मशीनों से की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही वरिष्ठ दांत चिकित्सक डॉ उपकार यादव, एवं ज्योति नेत्रालय हल्द्वानी की टीम द्वारा आंखों की जांच साथ ही अन्य जर्नल फिजिशियन चिकित्सकों द्वारा उचित परामर्श देने के साथ ही निशुल्क दवाईयां का वितरण किया जाएगा।

आई0टी0बी0पी0 गौचर ने मनाया 11 वाँ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। 11 वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस–2025 के शुभ अवसर विरेन्द्र सिंह रावत, सेनानी, 8वीं वाहिनी, आई०टी०बी०पी० के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में वाहिनी मुख्यालय में हिमवीर पदाधिकारियों ने राष्ट्रसेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों के आश्रित परिवार प्रतिनिधि एवं हिमवीर परिवारजनों की उपस्थिति योगाभ्यास किया गया।

गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी गाईडलाईन के मद्देनजर प्राचीन भारतीय परंपरा एंव संस्कृति की अमूल्य देन योग का 8वीं वाहिनी आई०टी० बी०पी० मुख्यालय सहित सीमावर्ती क्षेत्रध्अग्रिमचौकी घमसाली, मलारी, सुमना, ग्यालढुंग, छूजन, बिमलास, गोटिंग एवं संचुतला में भी स्थानीय जनता, श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के साथ हिमवीर जवानों के द्वारा योग सत्र का आयोजन किया गया।11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सा कार्यालय चमोली के तत्वाधान में चमोली स्थित भराडीसेण परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय मुख्य योग कार्यक्रम जिसमे मा० मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड एवं 10 देशों के राजदूत की उपस्थिति में 8वीं वाहिनी के हिमवीर पदाधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया है। सेनानी 8 वीं वाहिनी के द्वारा अपने सम्बोधन के माध्यम से कहा कि आज सैन्य जीवन में एक सैनिक को भिन्न–भिन्न भौगोलिक एवं जलवायु परिवेश का सामना करना पड़ता है। विषम जलवायु एवं दुर्गम अतिदुर्गम भौगोलिक परिस्थिति में अपनी ड्यूटी के निर्वाहन एवं विषम परिवेश में सामंजस्य हेतु योग हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। अच्छा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ के लिए योग को अपने दैनिक जीवन–चर्या में शामिल करने हेतु प्रेरित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर लालकुआं और बिंदुखत्ता क्षेत्र में तमाम स्थानों पर लोगों ने किया योग

लालकुआं (नजरिया खबर ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित योग शिविरों में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने योगासन कर प्रशिक्षित योगाचार्य से योग के गुर सीखें।

सेंचुरी पल्प एवं पेपर द्वारा योग दिवस पर भाभी शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय गुप्ता द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया, तथा योग में चर्चा करते हुए बताया गया कि यदि हम अपने जीवन में रोजाना 1 घंटा योगा को दे तो कई बीमारियों को नियंत्रण में रख सकते है।

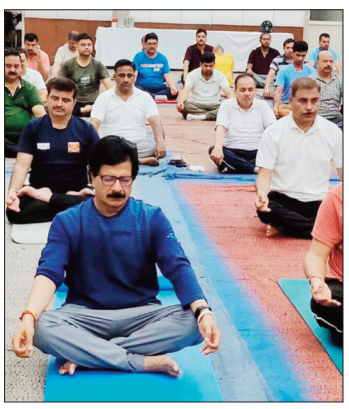

योग प्रशिक्षक जगदीश चंद्र जोशी ने योगासनों, श्वास तकनीकों और ध्यान का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न मुद्रा में योग का मार्गदर्शन किया ।

कार्यक्रम में प्रणव शर्मा ,महेंद्र हरित, परितोष राय, अरविंद त्यागी, संजय बाजपेई और नरेश चन्द्रा मौजूद थे। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण जोशी, प्रशिक्षक राधेश्याम यादव पूर्व चेयरमैन पवन चौहान, लाल चंद्र सिंह, नारायण सिंह बिष्ट, राजकुमार सेतिया, बॉबी संभल, जीवन कबड़वाल, प्रेम नाथ पंडित, राजलक्ष्मी पंडित, तारा पांडे सहित भारी संख्या में क्षेत्रवासियों ने विभिन्न योगासन किये । इधर बिंदुखत्ता भाजपा मंडल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग शिविर में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे वरिष्ठ युवा भाजपा नेता दीपेंद्र कोश्यारी ने क्षेत्र वासियों से योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष नवीन पपोला एवं लालकुआं के भाजपा नेता संजीव शर्मा सहित भारी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया

चमोली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनकल्याण लोक सेवा समिति के अध्यक्ष सुनील पंवार के मार्ग दर्शन में समिति के सदस्यों व पदाधिकारियों सहित आमजन ने प्रतिभाग करते हुऐ खेल मैदान गौचर में योगाभ्यास की क्रियाओं को करते हुऐ योग दिवस को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर योग गुरु के रुप में शिक्षिका श्रीमती अंजू बिष्ट, जनकल्याण लोक सेवा समिति के अध्यक्ष सुनील पंवार, सचिव कुशाल सिंह नेगी, उपाध्यक्ष अर्जुन नेगी, मीडिया प्रभारी गोविन्द बिष्ट, महिला विंग अध्यक्ष बीना देवी , सास्कृतिक समिति के अध्यक्ष शिवचरण बिष्ट आदि आमजन शामिल रहे।

22 June 2025_Copy of Layout 1 6/22/2025 1:38 PM Page 6

'वैज्ञानिक आधुनिक तकनीक पर करें अनुसंधान, तभी देश मत्स्य पालन के क्षेत्र में लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगा'

भीमताल/नैनीताल (नजरिया खबर ब्यूरो)। विकासखण्ड भीमताल में स्थित केंद्रीय शीतल जल मत्स्य अनुसंधान केंद्र में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में भारत सरकार के सचिव (मत्स्य), डॉ. अभिलक्ष लिखी, ने कहा कि वैज्ञानिक आधुनिक तकनीकों पर आधारित अनुसंधान को प्राथमिकता दें ताकि देश मत्स्य पालन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (च्डडैल) भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य मछली उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि, गुणवत्ता में सुधार और आधुनिक तकनीक के प्रयोग को बढ़ावा देना है।

उन्होंने बताया कि देश में लगभग 3 करोड़ लोग मत्स्य पालन से जुड़े हैं, जिनमें से अब तक 25 लाख लोग नेशनल फिशरीज डिजिटल पोर्टल पर पंजीकरण करा चुके हैं। सरकार का प्रयास है कि शेष सभी मछली पालकों को भी इस पोर्टल से जोड़ा जाए, ताकि योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही उन्होंने बताया कि ठंडे पानी की मछली प्रजातियों की वैश्विक मांग अधिक है और उत्तराखंड इस दिशा में अत्यधिक संभावनाओं वाला राज्य है। कार्यक्रम के दौरान सचिव लेखी ने अनुसंधान केंद्र में ऑर्नामेंटल फिशरीज यूनिट, रेनबो ट्राउट के एक्वाकल्चर सिस्टम सहित विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि कोल्ड वॉटर फिशरीज, विशेष रूप से रेनबो ट्राउट पालन को बढ़ावा देने के लिए अन्य राज्यों को भी इस शोध से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि वे किसानों को नई प्रजातियों के बीज उपलब्ध कराएं, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोग इस क्षेत्र से रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि देश में मत्स्य उत्पादन 184 लाख टन है, जिसे और आगे बढ़ाने के लिए किसानों को अनुसंधान संस्थानों से जोड़ा जाना आवश्यक है। उन्होंने राज्य में ट्राउट मछली को "सुपरफूड" बताते हुए कहा कि इसकी उच्च बाजार कीमत किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण मत्स्य किसान उपस्थित रहे। इस अवसर पर मत्स्य वैज्ञानिकों द्वारा कोल्ड वॉटर फिशरीज की तकनीकों पर जानकारी दी गई। सचिव लेखी ने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं को भी जाना। उन्होंने संस्थान के विस्तार हेतु भूमि की आवश्यकता से भी सचिव को अवगत कराया। इस अवसर पर सचिव, सहकारिताध्पशुपालनध्मत्स्य एवं दुग्ध विकास बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तमय मुख्य विकास अधिकारी, अनामिकाय निदेशक मत्स्य, डॉ. अमित पांडेय एजीएम मत्स्य डॉ. देविकाय उपनिदेशक डॉ. अल्पना हलदरय जिला विकास अधिकारी, गोपाल गिरीय जिला मत्स्य अधिकारी, शिखा आर्या, सहित संस्थान के वैज्ञानिक एवं क्षेत्रीय मत्स्य पालक उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट में पशु चिकित्सकों की ट्रांसफर नियमावली पर सुनवाई

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने पशु चिकित्सकों का स्थानांतरण नियमावली को चुनौती देती याचिकाओं पर सुनवाई की। मामलो की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ती आलोक महरा की खण्डपीठ ने पशु पालन सचिव को निर्देश दिये हैं कि विभाग में जितने कर्मियो के स्थानांतरण के मामलो पर आपत्तियां आई हैं उनकी जांच करके रिपोर्ट शपथपत्र के साथ दो सप्ताह में न्यायलय में पेश करें।

सुनवाई पर पशु पालन सचिव पुरषोत्तम कोर्ट के आदेश पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुए। कोर्ट ने उनसे सवाल किया कि किस आधार पर पशु चिकित्सकों का स्थानांतरण किया गया। स्थानांतरण नियमावली कुछ और कहती है जबकि इसके बिरुद्ध जाकर स्थानांतरण किए गए हैं। स्थानांतरण नियमावली के मुताबिक गम्भीर बीमारी से ग्रस्त व 55 साल से अधिक उम्र के कर्मचारियों का स्थानांतरण नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट में मसूरी जार्ज एवरेस्ट एडवेंचर लीज मामला, टोल उगाही पर रोक जारी

नैनीताल (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने मसूरी के प्रसिद्ध जार्ज एवरेस्ट एडवेंचर की लीज में दी गई 142 एकड़ भूमि को लीजधारक कम्पनी ने लीज की शर्तों का उल्लंघन करने व आम रास्ते से टोल टैक्स वसूले जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका की सुनवाई की। शुक्रवार को हुई सुनवाई के बाद कोर्ट ने पूर्व में टोल उगाही पर लगी रोक को जारी रखते हुए अगली सुनवाई तक याचिकाकर्ता से शपथपत्र पेश करने को कहा है।

आज हुई सुनवाई पर याचिकाकर्ता ने कहा लीजधारक के द्वारा अभी भी स्थानीय लोगों से भी टैक्स लिया जा रहा है। इसका विरोध करते हुए विपक्षी के द्वारा कहा कि स्थानीय लोगो से कोई टोल टैक्स नहीं लिया जा रहा है। बाहर से आने वाले वाहनों से ही टैक्स लिया जा रहा है। अधिवक्ता विनीता नेगी की ओर से दायर जनहित याचिका में कहा गया यह पार्क 142 एकड़ में फैला है। यूटीडीबी ने उप्र की एक संस्था को एक करोड़ प्रतिवर्ष की दर पर लीज पर दे दिया। यह भी आरोप लगाया गया कि इससे स्थानीय लोगों और पर्यटन कारोबारियों के हित प्रभावित हुए हैं। वर्षों पुरानी सार्वजनिक सड़क पर अवैध रूप से टोल टैक्स वसूला जा रहा है। यही नहीं यहां के हैलीपैड, हट्स, कैफे, संग्रहालयों और वैधशाला को भी लीज पर दे दिया गया है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि कंपनी द्वारा पर्यटकों के लिये हेली सेवा संचालित की जा रही है।

स्वास्थ्य महकमे में बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य : डॉ धन सिंह

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग व चिकित्सा शिक्षा विभाग में बिना अवकाश अनुपस्थित चिकित्सकों तथा अन्य मेडिकल कार्मिकों की अब खैर नहीं। ऐसे कार्मिकों के खिलाफ विभागीय स्तर पर सख्त कार्रवाई अमल में लायी जायेगी। विभागीय मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने डीजी हेल्थ और निदेशक चिकित्सा शिक्षा को प्रदेशभर के सभी चिकित्सालयों एवं मेडिकल कालेजों में बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

मंत्री धन सिंह रावत।

मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने बताया कि प्रदेशभर के जिला चिकित्सालयों, उप जिला चिकित्सालयों, संयुक्त चिकित्सालयों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं उपकेंद्र सहित मेडिकल कालेजों में बायोमेट्रिक उपस्थित अनिवार्य रूप से लागू की जाएगी। इसके लिये स्वास्थ्य महानिदेशक एवं निदेशक चिकित्सा शिक्षा को स्पष्ट निर्देश दे दिये गये हैं कि सभी संस्थानों में शीघ्र बायोमेट्रिक मशीन उपलब्ध कराई जाय। विभागीय मंत्री ने बताया कि समय–समय इस बात की शिकायत प्राप्त होती है कि अक्सर चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टॉफ बिना अवकाश लिये गायब रहते हैं, जिससे अस्पतालों की व्यवस्था चरमरा जाती है और वहां आने वाले मरीज़ों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने भविष्य में बिना अवकाश लिये गायब रहने वाले चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टॉफ के खिलाफ सख़्त कार्रवाई अमल में लाने के लिये जनपद स्तर पर मुख्य चिकित्साधिकारियों को भी निर्देशित किया।

हल्दूचौड़ में ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की

हल्दूचौड़ (नजरिया खबर ब्यूरो)। विधानसभा लालकुआं के ग्रामसभा गंगापुर कबड़वाल के भानदेव नवाड, कृष्णा नवाड,गंगापुर आदि गांवों में आजकल जंगली हाथियों ने जमकर उत्पात मचाना शुरू कर दिया है, ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है।

प्रभावित ग्रामीणों ने बताया कि जंगली हाथीयो द्वारा फसलों को काफी नुकसान पहुंचाया जा रहा है, वह आए दिन हाथियों के आतंक से परेशान हैं और रातों में जाग कर फसलों की सुरक्षा कर रहे हैं , वन विभाग पर इस संवेदनशील मामले में हीलाहवाली बरतने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों का कहना है कि उनकी फसलों की सुरक्षा को लेकर लगाई गई सोलर फेंसिंग वर्तमान में वन निगम के लकड़ी परिवहन करने वाले वाहनों ने बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दी गई है जिसके चलते शाम ढलते ही हाथियों का झुंड उनके खेतों में घुसकर उनकी फसलों को रौंद रहा है।

गौरतलब है कि तराई केंद्रीय वन प्रभाग के जंगल से लगे इन गांवों में कई दशकों से हाथियों का आतंक व्याप्त है ,किंतु सोलर फेंसिंग के सुचारू रूप से कार्य किए जाने के चलते पिछले एक दो साल से हाथियों के आवाजाही में कुछ कमी देखी गई थी किंतु वर्तमान में वन निगम द्वारा लकड़ी परिवहन में लगाए गए वाहनों की आवाजाही के चलते सोलर फेंसिंग क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद हाथियों ने जबरदस्त उत्पात मचाया हुआ है। वन विभाग से बार–बार शिकायत करने के बावजूद भी वन विभाग के कर्मचारी न ही गश्त करते हैं और न ही फसलों के नुकसान का सही आकलन करते हैं । ग्रामीणों ने कहा कि वन विभाग द्वारा फसलों का मुआवजा भी काफी समय से नहीं दिया गया है , जिससे ग्रामीणों में काफी रोष है।

इधर इस संबंध में प्रभागीय वनाधिकारी तराई केंद्रीय वन प्रभाग यू सी तिवारी का कहना है कि हाथियों की रिहायशी इलाकों में घुसपैठ रोकने के लिए वर्तमान में विभाग के पास कोई बजट नहीं है निगम के वाहनों द्वारा क्षतिग्रस्त सोलर फेंसिंग को दुरस्त कराने के लिए वह जल्द वन निगम के संबंधित लैंगिक प्रबंधक से वार्ता करेंगे।

22 June 2025_Copy of Layout 1 6/22/2025 1:38 PM Page 7

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं उसके अनुप्रयोगों का लाभ हिमालयीय राज्यों के दृष्टांत पर संगोष्ठी आयोजित

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। हिमालयीय राज्यों के सतत विकास हेतु "विकसित भारत 2047 के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं उसके अनुप्रयोगों का लाभ हिमालयीय राज्यों के दृष्टांत" विषय पर आयोजित की जाने वाली राज्य स्तरीय स्टेट स्पेस मीट हेतु एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन यू–सैक सभागार में किया गया। उत्तराखण्ड अन्तरिक्ष उपयोग केंद्र के सभागार में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी में प्रतिभाग करते हुए।

जिसमें केंद्रीय और राज्य के रेखीय विभागों, मंत्रालयों, संगठनों द्वारा उनकी वर्तमान एवं भावी योजनाओं में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की भूमिका तथा इसके अनुप्रयोगों से वर्तमान में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित संचालित कार्यों तथा भावी योजनाओं पर डॉक्यूमेंट तैयार करने एवं प्रस्तावित स्टेट स्पेस मीट की उपयोगिता को दृष्टिगत रखते हुए स्पेस मीट से पूर्व समस्त रेखीय विभागों के साथ चर्चा–परिचर्चा हेतु आयोजित की गई। यह संगोष्ठी उत्तराखण्ड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र (यूसैक) द्वारा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सहयोग से जुलाई प्रथम सप्ताह में"विकसित भारत 2047 के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं उसके अनुप्रयोगों का लाभरू हिमालयीय राज्यों के दृष्टांत" विषय पर आयोजित की जाने वाली स्पेस मीट कार्यशाला हेतु राज्य के विभिनन विभागों मे अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों से किये जा रहे कार्यों तथा भावी आवश्यकताओं पर विभागवार चर्चा के माध्यम से उनकी आवश्यकता एवं विकास के लिए चिन्हित एवं वर्तमान में संचालित कार्यों तथा भावी योजनाओं/परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए पर प्रभावी डॉक्यूमेंट तैयार करने के उदेश्य से कि गई। स्पेस मीट में प्रस्तुत इन्ही कार्य योजनाओं के मध्यम से अगस्त माह में प्रस्तावित राष्ट्रीय कार्यशाला हेतु उत्तराखण्ड राज्य का रोडमैप तैयार किया जाएगा।

संगोष्ठी में राज्य के 21 रेखीय विभागों के 40 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिनमें–वन, सिंचाई, जल संस्थान, मृदा, पशुपालन, आपदा प्रबन्धन, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ऊर्जा, कृषि, उद्यान, रेशम, जैवविविधता बोर्ड, लोक निर्माण विभाग, राजस्व, ग्राम्य विकास आदि विभागों के अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों/अभियंताओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। यूसैक के निदेशक प्रोफेसर पंत ने कार्यशाला मे प्रतिभाग कर रहे प्रतिभागियों से कहा कि आगामी स्पेस मीट के लिए एक विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जाना है जिसमें राज्य के सभी रेखीय विभागों को आठ थीमों कृषि, पर्यावरण एवं ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, जल संसाधन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन, डेवलपमेंट प्लानिंग, प्रौद्योगिकी प्रसार, संचार एवं नेविगेशन में बांटा गया है।

अमेजन वर्ल्ड म्यूजिक डे पर दे रहा शानदार ऑफर्स

देहरादून। इस वर्ल्ड म्यूज़िक डे पर अमेजन डॉट इन पर कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स पर बेहतरीन डील्स के साथ अपने सुनने के अनुभव को अपग्रेड करें। ग्राहक हेडफोन्स, स्पीकर्स, साउंडबार्स और म्यूज़िकल इंस्ट्रूमेंट्स सहित कई प्रोडक्ट्स पर 75 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। ये ऑफर्स बोट, जेबीएल और नॉइस जैसे लोकप्रिय ब्रांड्स पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा, ग्राहक एसबीआई क्रेडिट कार्ड ईएमआई ट्रांजैक्शन पर 10 प्रतिशत तक की तत्काल छूट भी प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें अधिकतम बचत 1,250′ रुपये तक हो सकती है। इसके अलावा सोनी डब्ल्यूएच –1000एक्सएम4 नॉइस कैंसलेशन वायरलेस ब्लूटूथ ओवर–ईयर हेडफोन 20,990 रुपये, जेबीएल न्यू लॉन्च ट्यून बीम 2 टीडब्ल्यूएस हेडफोन 5,499 रुपये, नॉइस बड्स एन 1 प्रो इन–ईयर ईयरबड्स 1,499 रुपये, बोस क्वाईट कम्फर्ट अल्ट्रा ब्लूटूथ हेडफोन अमेजन डॉट इन पर 28,699 रुपये में पाएं।

अमृता विद्यापीठम ने दुनिया के टॉप 50 संस्थानों में बनाई जगह

हरिद्वार (नजरिया खबर ब्यूरो)। द वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में अमृता विश्व विद्यापीठम दुनिया की टॉप 50 यूनिवर्सिटीज़ में शामिल होने वाला भारत का एकमात्र उच्च शिक्षा संस्थान बना है। अमृता ने 41वीं ग्लोबल रैंक हासिल की है और यह अब संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स पर प्रभाव के मामले में भारत की नंबर 1 यूनिवर्सिटी बन गई है। पिछले साल इसकी रैंकिंग 81वीं थी।

यूनिवर्सिटी ने एसडीजी 4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा) के लिए दुनिया भर में 5वीं और एसडीजी 7 (सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा) के लिए 6वीं रैंक हासिल की है, जो इसे इन क्षेत्रों में विश्व की सबसे बेहतर यूनिवर्सिटीज़ में स्थापित करती है। इसके अलावा एसडीजी 5 (लैंगिक समानता) के लिए इसे 14वीं और एसडीजी 3 (स्वास्थ्य और कल्याण) के लिए 29वीं रैंक मिली है। ये रैंकिंग्स अमृता विश्व विद्यापीठम के लिए समावेशी और समान विकास के महत्वपूर्ण संकेत हैं। अमृता विश्व विद्यापीठम की प्रोवोस्ट और यूनस्को की चेयर (अनुभव आधारित सीख और सतत नवाचार) डॉ. मनीषा वी. रमेश ने कहा, हमें यह अंतरराष्ट्रीय पहचान अपनी चांसलर श्रीमाता अमृतानंदमयी देवी (अम्मा) के दूरदर्शी मार्गदर्शन की वजह से मिली है। अम्मा हमेशा करुणा, सेवा और विज्ञान को सबसे ज़रूरी मानती हैं, और यही अमृता यूनिवर्सिटी का मूल आधार है।

जिला चिकित्सालय चमोली में लेप्रोस्कोपिक विधि से सफल ऑपरेशन

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। चमोली जिले के जोशीमठ विकासखंड की 22 वर्षीय महिला, जो तीव्र पेट दर्द की शिकायत के साथ जोशीमठ से रेफर होकर जिला चिकित्सालय चमोली की इमरजेंसी सेवा में लाई गई थी, का पित्त की थैली में पथरी की सफल सर्जरी की गई है।

जांच के उपरांत जब यह पुष्टि हुई कि मरीज की पित्त की थैली में पथरी है, तो उसे सर्जरी विभाग में भर्ती किया गया। इसके पश्चात सर्जरी विभाग के विशेषज्ञ सर्जन डॉ नीरज पिमोली,सर्जन डॉ. दीपक नेगी एवं, निश्चेतक डॉ. एसएन सिंह तथा स्वास्थ्य कार्मिकों की टीम ने सामूहिक प्रयास से महिला की लेप्रोस्कोपिक (दूरबीन विधि) द्वारा सफल शल्य चिकित्सा की। सर्जन डॉ. नीरज पिमोली ने बताया कि पूर्व में आधुनिक तकनीकी उपकरणों की अनुपलब्धता के चलते ऐसे मामलों में बड़े चीरे के माध्यम से ऑपरेशन करना पड़ता था, जिससे न केवल अधिक समय लगता था बल्कि मरीज को ज्यादा तकलीफ भी होती थी। अब जिला चिकित्सालय में लेप्रोस्कोपिक मशीन स्थापित होने से ऑपरेशन आसान, सुरक्षित एवं कम समय में संभव हो पाया है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुराग धनिक ने जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में जिला चिकित्सालय में लेप्रोस्कोपिक मशीन की स्थापना की गई है, और यह जिले में इस मशीन से किया गया पहला ऑपरेशन है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि चमोली जैसे पर्वतीय और दुर्गम जिले के लिए एक बड़ी राहत है और इससे यहां के मरीजों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं सुलभ हो सकेंगी। यह उपलब्धि जिला चिकित्सालय चमोली में स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहे निरंतर प्रगति का प्रमाण है।

काशीपुर में बहुउद्देशीय शिविर में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सुनीं जनसमस्याएं

देहरादून/काशीपुर (नजरिया खबर ब्यूरो)। शनिवार को प्रदेश के कृषि, सैनिक कल्याण, ग्राम्य विकास मंत्री और जनपद के प्रभारी मंत्री गणेश जोशी ने विकासखण्ड काशीपुर के सभागार में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया और शासन स्तर के प्रकरणों पर प्राथमिकता पर कार्यवाही का आश्वासन दिया।

जनसमस्याएं सुनते मंत्री गणेश जोशी।

अपने सम्बोधन में सरकार की उपलब्धि रेखांकित करते हुए कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सरकार का कमजोर वर्ग के लोगों को सरकारी योजनाओं से संतृप्त करने पर विशेष फोकस है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जनता की सरकार, जनता के द्वार नारे को आत्मसात करते हुए कार्य कर रही है। हमने ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त करने का संकल्प लिया है। काबीना मंत्री ने कहा कि पिछले 3 वर्षो में 23 हजार से अधिक युवाओं को स्थायी रोजगार देने का काम धामी सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि धामी सरकार का संकल्प है कि जिन योजनाओं का शिलान्यास करेंगे, उनका लोकार्पण भी हमारे द्वारा ही किया जाऐगा।

ज्ञातव्य हो कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अन्तर्गत जागरूकता एवं संतृप्तिकरण के सम्बन्ध यह बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम्य विकास विभाग, पंचायतीराज विभाग, राजस्व विभाग, बाल विकास विभाग शहरी एवं ग्रामीण ,विधुत, कृषि, मत्स्य, पशुपालन, स्वास्थ, ग्रामीण निर्माण, लघु सिंचाई, पेयजल आदि विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाये गये। राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन योजनान्तर्गत गठित स्वंय सहायता समूह के द्वारा निर्मित उत्पादों का स्टॉल में प्रदर्शन किया गया एवं बाल विकास विभाग शहरी एवं ग्रामीण के द्वारा महिलाओं को काबीना मंत्री से महालक्ष्मी किट का वितरण कराया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा 95 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।

22 June 2025_Copy of Layout 1 6/22/2025 1:38 PM Page 8

पुरकल यूथ डेवलमेंट सोसाइटी की मनमानी पर होगी जांच

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। पुरकल यूथ डेवलपमेंट सोसाइटी ने एक समय में जो मान और सम्मान कमाया, उस पर कुछ पदाधिकारियों की कार्यप्रणाली बट्टा लगा रही है। जो सोसाइटी देहरादून के पुरकुल क्षेत्र में गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए लर्निंग अकादमी चलाती है, वहां ऐसा लगता है कि मानवीय मूल्य क्षीण होने लगे हैं।

यह संस्था एक तरफ गरीब बच्चों के उत्थान के कार्यों के लिए देश–विदेश से सीएसआर (कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) और फॉरेन कंट्रीब्यूशन रगुलेशन एक्ट 2010 के तहत धनराशि प्राप्त करती है और दूसरी तरफ इस संस्थान में सालों से सेवा करने वाली शिक्षिकाओं को एक झटके में अकारण ही निकाल दिया जाता है। वह भी ऐसी स्थिति में जब एक शिक्षिका मातृत्व अवकाश पर

महिला आयोग ने शिक्ष सचिव को भेजा पत्र

होती है। अवकाश समाप्त हो जाने के बाद उसके लिए सोसाइटी के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं। आर्थिक और मानसिक शोषण के इस मामले में उत्तराखंड महिला आयोग ने कड़ा रुख अपनाया है। सोसाइटी से निकाली गई शिक्षिका कंचन की शिकायत पर आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने दोनों पक्षों की बात सुनी। पीड़ित शिक्षिका कंचन ध्यानी ने कहा कि उन्होंने 23 जुलाई 2024 से 14 नवंबर 2024 तक मातृत्व अवकाश लिया था। चूंकि बच्चे को देखभाल की अतिरिक्त आवश्यकता थी, इसलिए कंचन ने स्कूल प्रशासन से आग्रह किया था कि अवकाश को 8 जनवरी तक बढ़ाया जाए। उन्हें 9 जनवरी को ज्वाइन करना था। लेकिन, सोसाइटी के सचिव अनूप सेठ ने अकारण ही शिक्षिका का अवकाश अप्रैल 2025 तक बढ़ा दिया। कंचन ने आयोग को बताया कि वह सोसाइटी की लर्निंग अकादमी में कक्षा 8 और 9 के बच्चों को पढ़ाती थीं। इससे पहले कि कंचन बढ़ाए गए अवकाश के बाद दोबारा स्कूल में ज्वाइन करतीं, उन्हें ईमेल के माध्यम से सूचित किया गया कि अब कक्षा 4 के छात्रों को भी पढ़ाना होगा। इस पर कंचन ने तर्कसंगत आपत्ति की तो सचिव अनूप सेठ ने 8 अप्रैल को कॉन्फ्रेंस हॉल में बुलाया और और एचआर की उपस्थिति में स्कूल से निकालने की धमकी दी।

लिहाजा, कंचन ने व्यथित होकर महिला आयोग का दरवाजा खटखटाना पड़ा। आयोग की अध्यक्ष ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद सचिव अनूप सेठ को कहा कि वह शिक्षिका कंचन को स्कूल में पुनः नियुक्ति प्रदान करें। हालांकि, सचिव नियुक्ति देने को तैयार नहीं हैं। प्रकरण की गंभीरता और मातृत्व अवकाश अधिनियम 1961 की अनदेखी को देखते हुए आयोग ने सचिव शिक्षा को पत्र भेजकर प्रकरण की जांच और आवश्यक कार्यवाही कर उससे आयोग को अवगत कराने के लिए कहा है। यह पत्र जिलाधिकारी देहरादून को भी भेजा गया है। अकारण सेवा से निकालने जाने के एक अन्य शिक्षिका के मामले में डीएम देहरादून भी हाल में कड़ा रुख अपना चुके हैं। चूंकि स्कूल सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त है तो यह पत्र बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक को भी भेजा गया है। इसके अलावा सोसाइटी एक्ट में पंजीकरण के मद्देनजर पत्र सूचनार्थ सोसाइटी रजिस्ट्रार को भी जारी किया गया।

प्रदेश भर के 250 से अधिक शिक्षक करेंगे नवाचारों का प्रदर्शन

रुद्रप्रयाग। शिक्षा का उत्थान और शिक्षकों का सम्मान के लिए प्रतिबद्ध बेसिक शिक्षकों के गैर राजनीतिक संगठन मिशन शिक्षण संवाद का पंचम वार्षिक अधिवेशन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अल्मोड़ा में संपन होगा। मिशन शिक्षण संवाद उत्तराखंड के मंडल संयोजक माधव सिंह नेगी ने बताया कि प्रदेश भर के 250 से अधिक शिक्षक इस एक दिवसीय कार्यशाला में अपने नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर राजकीय शिक्षा विभाग उत्तराखंड की ओर से आयोजित विभिन्न शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों एवं प्रतियोगी परिक्षाओं में सफलता अर्जित करने वाले विद्यार्थियों एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों की उपस्थिति में सम्मानित किया जायेगा।

उत्तरकाशी में दीवार ढहने से एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

उत्तरकाशी (नजरिया खबर ब्यूरो)। जनपद के राजस्व ग्राम ओडाटा के मोरा तोक स्थित गुर्जर बस्ती में एक भीषण हादसा हो गया। इसमें एक ही परिवार के चार सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना के बाद राजस्व, एसडीआरएफ और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

घटना पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताया है। शुक्रवार रात करीब दो बजे गुलाम हुसैन के आवासीय मकान की दीवार अचानक ढह गई। जिसमें सो रहे परिवार के सदस्य मलबे में दब गए। मृतकों की पहचान गुलाम हुसैन (26 वर्ष) पुत्र अली अहमद, उसकी पत्नी रुकमा खातून (23 वर्ष), पुत्र आबिद (3 वर्ष) और 10 माह की बेटी सलमा के रूप में हुई है। इस हृदय विदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। घटना की सूचना पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस–प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही तहसीलदार मोरी जब्बर सिंह असवाल, राजस्व उप निरीक्षक, एसडीआरएफ और पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। तहसीलदार जब्बर सिंह असवाल ने घटना की पुष्टि की और बताया कि राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया था, लेकिन दुर्भाग्यवश चारों सदस्यों को बचाया नहीं जा सका।

हल्द्वानी में बार व्यापारियों के शराब नीति उल्लंघन पर हाईकोर्ट सख्त

नैनताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने हल्द्वानी के बार कारोबारियों ने शराब नीति का उल्लंघन करने संबंधी जनहित याचिका में राज्य सरकार से बार कारोबारी के अतिक्रमण की जांच कर एक सप्ताह में रिपोर्ट पेश करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद के लिए तय हुई है। मामले के अनुसार, हल्द्वानी निवासी प्रकाश पांडे ने उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर कहा कि हल्द्वानी में बार कारोबारियों ने शराब नीति का उल्लंघन कर शहर में बड़े बड़े होर्डिंग लगाए हैं। कुछ बार कारोबारियों द्वारा सरकारी भूमि में अतिक्रमण कर पार्किंग के लिए इस्तेमाल करने के भी आरोप लगाए गए हैं।

न्यूज डायरी

बमराड़ गांव में शिलगुर, विजट देवता के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

विकासनगर। उत्तराखंड को देवभूमि के नाम से विश्व भर मे जाना जाता है। यहां के लोगों की अपने इष्ट देवताओं के प्रति काफी आस्था है। यहां पर प्रकृति देवता से लेकर ग्राम देवताओं की पूजा अर्चना की जाती है। हर पर्व देवताओं को समर्पित होते है। इसी कड़ी मे जौनसार बावर क्षेत्र के खर पट्टी समाल्टा के बमराड़ गांव में शिलगुर और विजट देवता का मंदिर है। मान्यता अनुसार खत पट्टी के ग्रामीण बारह साल बाद देवताओं को शाही स्नान के लिए हरिद्वार गंगा स्नान और हिमाचल स्थिति चूड़धार का शाही स्नान करते हैं। क्षेत्र के ग्रामीण इस कार्य को अपनी आस्था से देवताओं के कार्य मे पूरी तरह से रम जाते हैं। खत पट्टी के बारह गांव सहित आसपास के गांव से भी अपने पारम्परिक वेशभूषा मे मंदिर प्रागंण मे ढोल दमऊ की थाप पर लोक गीत नृत्यों के साथ ही शिलगुर और विजट देवता के जयकारे लगा कर समूचे क्षेत्र को भक्तिमय हो जाते हैं।

संजीव कुमार ने संभाला महालेखाकार लेखापरीक्षा का कार्यभार

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के 2009 बैच के अधिकारी संजीव कुमार ने मोहम्मद परवेज़ आलम, महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) से उत्तराखंड राज्य के नए महालेखाकार (लेखा परीक्षा) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। संजीव कुमार, महालेखाकार, लेखापरीक्षा ने आईआईटी, मद्रास से एमटेक किया है। महालेखाकार ने भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा में नियुक्ति से पूर्व वैज्ञानिक के रूप में भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संस्थान में भी अपनी सेवाएँ दी थी।

अपनी वर्तमान भूमिका में, महालेखाकार महोदय उत्तराखण्ड

राज्य के प्राप्तियों और व्यय के लेखापरीक्षा के साथ–साथ राज्य वित्त पर प्रतिवेदन संबंधी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के समस्त विभागों के लेखाओं की लेखापरीक्षा के दायित्व के साथ–साथ राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के विषय आधारित अनुपालन लेखापरीक्षा निष्पादन लेखापरीक्षा राज्य के अंतर्गत संचालित कंपनियों एवं निकाओं के लेखापरीक्षा प्रमाणीकरण का भी कार्य किया जाता है। उत्तराखंड राज्य में महालेखाकार के पद पर कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व, आप प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा, वाशिंगटन कार्यालय में निदेशक के रूप में कार्यरत रहे। इन्होंने उत्तर प्रदेश, झारखंड, अरुणाचल प्रदेश (ईटानगर) और गुजरात राज्यों में उप महालेखाकार और वरिष्ठ उप महालेखाकार सहित कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है। संजीव कुमार को विभिन्न क्षेत्रों के लेखापरीक्षा में व्यापक अनुभव हैं।

पेज 01 का शेष...

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देहरादून में किया 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का शुभारंभ

भारत की सनातन सोच ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' की वैश्विक अभिव्यक्ति है जो हमें याद दिलाता है कि हमारा व्यक्तिगत स्वास्थ्य, हमारी प्रकृति, हमारा पर्यावरण और हमारी सामाजिक संरचना–सभी परस्पर गहराई से गूंथे हुए हैं। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड जैसी आध्यात्मिक और प्राकृतिक भूमि पर योग का अभ्यास विशेष महत्व रखता है। उन्होंने इस अवसर पर युवाओं से आह्वान किया कि वे योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं और स्वस्थ भारत के निर्माण में योगदान दें। इस अवसर पर उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्रेरणा से उत्तराखंड द्वारा तैयार की गई भारत की पहली योग नीति–2025 की विशेषताएं और लक्ष्य बताए। कहा कि यह नीति भारत का पहला योग उद्यमिता और अनुसंधान हब बनाएगी। इसमें योग और ध्यान केंद्रों की स्थापना हेतु अधिकतम 20 लाख रुपए तक का पूंजीगत अनुदान है। योग अनुसंधान कार्यों हेतु 10 लाख रुपए तक का शोध अनुदान।

स्वत्वाधिकारी नजरिया खबर के लिए स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक गीता जायसवाल द्वारा श्रेष्ठा प्रिन्टर्स, वार्ड नं.03,पो.ओ. लालकुंआ जिला–नैनीताल, उत्तराखण्ड से मुद्रित तथा 14–डी मीडो प्लाजा, प्रथम तल राजपुर रोड देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित सम्पादक : विजय जायसवाल फोन नं. – 0135&2740930, 9837027458 RNI NO: UTTHIN/2008/25052 प्रकाशन सम्बन्धी सभी विवादों का निस्तारण सिर्फ देहरादून न्यायालय होगा। E-mail: nazariakhabar@gmail.com
Website : www.nazariyakhabar.com डाक पंजीयन : UA/DO/DDN/402/2017-19